Newspaper Clips
June 3, 2016

IITs looking to end startup hiring woes
http://timesofindia.indiatimes.com/tech/tech-news/IITs-looking-to-end-startup-hiring-woes/articleshow/52554641.cms

MUMBAI: The heads of placement committees across the Indian Institutes of Technology will hold an emergency meeting on Friday with one agenda: A strategy for startups and ecommerce companies after Flipkart postponed the hiring of campus recruits. "Our AIPC (all-IITs placement committee) meeting was scheduled for October. But we are having to convene this out-of-turn meeting in light of recent developments," Professor Kaustabha Mohanty, convenor of the panel, told ET.

The meeting will take place in Mumbai and those who won't be able to make it, will log in via Skype. The placement heads will discuss, among other things, the slotting of startups, which ones to invite and which to refuse during campus interviews. They may decide on action against Flipkart, which delayed the joining dates of all new campus recruits by six months and offered to pay Rs 1.5 lakh as joining bonus.

Even after several requests from IITs and the Indian Institutes of Management, Flipkart hasn't changed its stance on reducing the delay or increasing the compensation. India's largest online retail platform maintained that it is committed to taking all trainees on board in December. ET reported last week that Flipkart may lose its day 1slot in the placement programme across leading IITs.

Brand strategy expert Harish Bijoor, CEO of Harish Bijoor Consults, said the student community weighs the worth of a company's word as reputation and if it postpones joining dates, its standing is suspect.

"Flipkart is a bellwether client of the current era of ecommerce companies. What Hindustan Unilever is to FMCG and what Infosys was to IT services, Flipkart is to ecommerce," said Bijoor.

"I do believe the brand is already affected by this furore. What's worse is that it is not Flipkart alone, but the entire industry of ecommerce and the startup world that bears the brunt of this image drubbing. It's temporary for sure and life will go on, but the scar is left behind for sure." Even other startups including Road-Runnr, Zimply Home Shopping, Click Labs and PepperTap have delayed joining dates or withdrawn job offers across IITs because of cost pressures and in some cases, closing of operations. Hopscotch and CarDekho have deferred offers at IIMs. "There are also instances of some startups reducing pay packages from what was initially promised," said Mohanty.

IITs have now told students to go ahead and consider job offers and interviews with other companies that have approached them including commerce firms Amazon, Paytm and Voonik.

At B-schools, the process is already under way. "We have had 30-35 companies approach us across sectors as diverse as

consulting, FMCG and startups. Students have already started interviewing with them," said Sapna Agarwal, head of career development services at IIM Bangalore.

Economic Times Hindi ND 03.06.2016 P-08

हायरिंग की नई स्ट्रैटेजी के लिए IIT की मीटिंग आज

बैठक का एजेंडा स्टार्टअप्स और ईकॉमर्स कंपनियों से जुड़ी कैंपस हायरिंग के लिए स्ट्रैटेजी तैयार करना है

श्रीराधा बसु | मुंबई

सभी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) की प्लेसमेंट कमेटियों के प्रमुखों ने शुक्रवार को एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। इस मीटिंग का एजेंडा स्टार्टअप्स और ईकॉमर्स कंपनियों के संबंध में एक स्ट्रैटेजी बनाना है। कैंपस रिक्रूटमेंट करने के बाद फ्लिपकार्ट ने हायरिंग टाल दी है, जिससे यह मुद्दा आईआईटी में काफी गरमाया हुआ है।

पैनल के कन्वेनर प्रोफेसर कौस्तुभ मोहंती ने ईटी को बताया, 'हमारी AIPC (ऑल आईआईटी प्लेसमेंट कमेटी) की बैठक अक्टूबर में होने वाली थी, लेकिन हालिया घटनाओं के बाद हम यह बैठक पहले ही कर रहे हैं।' यह मीटिंग मुंबई में होगी और जो लोग इसमें शामिल होने के लिए नहीं आ पाएंगे, वे स्काइप के जरिए बैठक में भाग लेंगे। प्लेसमेंट हेड्स स्टार्टअप्स के स्लॉट्स, किन कंपनियों को बुलाना है, किसे मना करना है सहित कई चीजों पर बातचीत करेंगे। वे फ्लिपकार्ट के खिलाफ एक्शन लेने पर भी फैसला कर सकते हैं। फ्लिपकार्ट ने कैंपस सेलेक्शन के दौरान हायरिंग की थी, लेकिन ज्वाइनिंग को 6 महीने के लिए टाल दिया। साथ ही, उसने पैकेज का 1.5 लाख रुपया ज्वाइनिंग बोनस के तौर पर देने की बात की है।

आईआईटी मैनेजमेंट्स की तरफ से बार-बार कहने के बावजूद फ्लिपकार्ट जल्दी ज्वाइनिंग कराने और सैलरी पैकेज बढ़ाने पर राजी नहीं हुई। देश की यह सबसे बड़ी ईकॉमर्स कंपनी लगातार कहती रही है कि वह दिसंबर से सभी ट्रेनीज को हायर कर लेगी। हरीश बिजूर कंसल्ट्स के सीईओ और ब्रांड स्ट्रैटेजी एक्सपर्ट हरीश बिजूर ने कहा कि छात्र समुदाय किसी कंपनी की बात से उसकी रेपुटेशन का अंदाजा लगाता है। फ्लिपकार्ट ने ज्वाइनिंग डेट टाल दी, जिससे उसे संदेह की नजर से देखा जा रहा है। बिजूर ने कहा, 'ईकॉमर्स कंपनियों के नए युग में

फ्लिपकार्ट अगुवा कंपनी थी। यह ठीक वैसे ही है, जैसे एफएमसीजी कंपनियों में एचयूएल और आईटी सर्विसेज फर्म्स में इंफोसिस है।' उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि इस फैसले से ब्रांड पहले ही प्रभावित हो चुका है। चिंता की बात यह है कि यह सिर्फ फ्लिपकार्ट का मामला नहीं रह गया है, बल्कि पूरी ईकॉमर्स इंडस्ट्री और स्टार्टअप वर्ल्ड को इस गलती का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। निश्चित तौर पर यह अस्थायी है और वक्त बदलता जाएगा, लेकिन निश्चित तौर पर यह धब्बा बरकरार रहेगा।'

यहां तक कि रोडरनल, जिमप्लाई होम शॉपिंग, क्लिक लैब्स और पेपरटैप जैसी स्टार्टअप्स ने भी कॉस्ट कटिंग के कारण ज्वाइनिंग डेट टाल दी या जॉब ऑफर वापस ले लिया है। हॉपस्कॉच और CarDekho ने आईआईएम में अपने जॉब ऑफर स्थगित कर दिए थे। मोहंती ने कहा, 'कई ऐसे भी मामले आए हैं, जिसमें स्टार्टअप्स ने जिस पैकेज पर हायरिंग की थी, उसे घटा दिया है।' आईआईटी ने अपने स्टूडेंट्स को दूसरी कंपनियों के लिए इंटरव्यू देने को कहा है। इनमें एमेजॉन, पेटीएम और वूनीक जैसी ईकॉमर्स कंपनियां हैं।

IIT students reach final of global competition

http://timesofindia.indiatimes.com/city/kolkata/IIT-students-reach-final-of-global-competition/articleshow/52556732.cms

Kolkata, Jun 2 () A team of three IIT Kharagpur students have made it to the finale of Shell Ideas360, a global competition that connects students to develop ideas to tackle the pressures on the world's food, water and energy resources.

The team comprising Gaurav Jain, Apurva Gajwani and Ankit Lohani has been working for over a year on the solution to the problem of food security in the world.

Swapnil Sharma, Recruitment Marketing Lead, Shell Technology Centre, said, "We understand that the students will be travelling to London for their final presentation as the institution representatives. We look forward for the Institute's continued support and guidance in coaching, mentoring the students in the coming days to help them win".

The team has developed a smart solution for the farm which provides an alternative low cost diagnostic option to the farmers.

Prof D K Swain from the Department of Agriculture and Food Engineering was the guide and institution representative for Shell Ideas360.

The competition was quite tough as 982 ideas were submitted globally, out of which 66 ideas made it in stage 2 and the students from IIT Kharagpur made it to final five.

The final event will be held at the Queen Elizabeth Olympic ground in London on June 30 during 'Make the future London' event. The final will include coaching by Shell experts and presentation of the final idea to a judge panel of senior executives and subjects experts.
The top teams hail from India, Singapore (2 teams), USA and UK, who will be fighting for the prestigious Shell Ideas360 trophy and a once in a lifetime National Geographic Adventure.

Dainik Jagran ND 03/06/2016 P-03

आइआइटी ने दूर की बाधा अब यमुना पर बनेगा रेल पुल

● उत्तर रेलवे का दावा सितंबर 2018 तक हो जाएगा तैयार ● डेढ़ सौ वर्ष पुराना लोहे का पुल हो गया है कमजोर

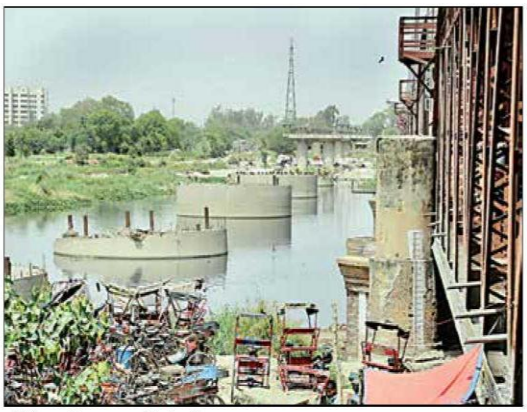

लोहे के पुल के समानांतर निर्माणाधीन पुल। जागरण

संतोष कुमार सिंह, नई दिल्ली

पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से गाजियाबाद की ओर जाने वाली ट्रेनों के लिए अंग्रेजों के समय का बना डेढ़ सौ वर्ष पुराना लोहे का पुल एक मात्र सहारा है, लेकिन जब यमुना का जल स्तर बढ़ता है तो इससे ट्रेनों की आवाजाही रुक जाती है। इस परेशानी को दूर करने के लिए रेलवे ने वर्ष 1997-98 में यमुना पर लोहा पुल के सामानांतर एक नया पुल बनाने का फैसला किया। इस पर काम भी शुरू हुआ, लेकिन तकनीकी बाधाओं की वजह से आज तक यह पूरा नहीं हो सका है। पहले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की आपत्ति की वजह से निर्माण कार्य रूका। उसके बाद चट्टान के कारण काम अधर में लटक गया था, लेकिन अब आइआइटी, दिल्ली की सहायता से यह बाधा दूर हो गई है और सबकुछ ठीक रहा तो सितंबर 2018 तक यह पुल बनकर तैयार हो जाएगा। जिसके बाद बारिश के दिनों में रेल परिचालन में होने वाली दिक्कत दूर हो जाएगी।

- बरसात के दिनों में बंद करनी पड़ती है ट्रेनों की आवाजाही
- पुल की नींव के लिए कुल 14 कुएं बनाए जाने हैं

तकनीकी कारणों से यमुना पर पुल के निर्माण कार्य में देरी हुई है। अब सभी परेशानी दूर कर ली गई है और सितंबर, 2018 तक इसका निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
-एके पुठिया, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक

यमुना पर पुराना लोहा पुल का निर्माण अंग्रेजों ने 1866 में कराया था और आज भी इसी के सहारे गाजियाबाद की ओर से ट्रेनें पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचती है। यह पुल अब कमजोर हो गया है और बरसात के दिनों में इससे ट्रेनों का गुजारना खतरनाक रहता है। यही कारण है कि यमुना का जल स्तर बढ़ते ही एहतियातन इस पुल से होकर गुजरने वाली ट्रेनों की गति कम कर दी जाती है। कई बार तो इसे बंद करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए वर्ष 1997 में रेलवे ने पुराने पुल के समानांतर पुरानी दिल्ली और शाहदरा के बीच नया पुल बनाने का प्रस्ताव तैयार किया, जिसे 2005 में बनकर तैयार हो जाना चाहिए था, लेकिन अभी भी यह अधूरा पड़ा हुआ है।

पुल के लिए ट्रैक सलीमगढ़ किले में से होकर गुजरना प्रस्तावित था। इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने अनुमति नहीं दी। इस कारण इसके मार्ग में परिवर्तन करना पड़ा। इसमें काफी समय लगा। वहीं, जब दोबारा काम शुरू हुआ तो चट्टान मिलने के कारण काम रोकना पड़ा। पुल की नींव के लिए कुल 14 कुएं बनाए जाने हैं, लेकिन चट्टान मिलने के कारण नौ कुएं ही बने है। शेष पांच कुओं का काम नहीं हुआ है। अधूरे काम को पूरा करने के लिए रेलवे ने टेंडर जारी किया तो इसमें जोखिम होने के कारण निर्माण कंपनियों ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। इस परेशानी को देखते हुए रेलवे ने तकनीकी सहयोग के लिए आइआइटी, दिल्ली को सलाहकार नियुक्त किया है। आइआइटी के प्रोफेसरों की सहायता से पुल निर्माण में आने वाली परेशानी को दूर कर फिर से टेंडर जारी किया गया है। जल्द ही काम का आवंटन कर दिया जाएगा।

Hindustan Times ND 03/06/2016
P-12

MEA bails out three students held in Italy

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

AKSHIT GOYAL AND DEEPAK BHATT AND UDAY KUSUPATI WERE CARRYING VALID PASSPORTS WITH SCHENGEN VISAS

NEW DELHI: Three IIT students were detained by Italian police in North Italy's Ventimiglia town on Monday during a check for illegal immigrants but were released hours later following the intervention of the Indian mission in Rome.

Akshit Goyal and Deepak Bhatt, from IIT Delhi and Uday Kusupati from IIT Bombay were visiting Italy as tourists and carrying valid passports with Schengen visas.

External affairs ministry spokesperson Vikas Swarup said Italian authorities have admitted it was a "mistake" on their part to detain the three as their documents were in order. He said Indian mission has taken up the issue with the Italian authorities strongly.

After they were detained at Ventimiglia railway station, the three IITians were flown along with other detainees to Bari, a town almost a 1000 km away in south of Italy.

Swarup said the Indian mission in Rome, after coming to know of the incident from a relative of Akshit, swung into action and contacted Italy's ministry of interior affairs and police authorities in Ventimiglia. After around 10 hours, the three students were released.

The students were first brought to Indian embassy in Rome on May 31 and then the mission made arrangements for their onward journey to Nice in France the same day where they are enrolled for an internship programme at a university, Swarup said. He added that the Indian embassy was taking up the issue with authorities.

Asian Age ND 03/06/2016 P-01

UCLA prof's 'killer' is IIT alumnus

Los Angeles, June 2: The Los Angeles police on Thursday identified a graduate engineering student, Mainak Sarkar, as the man who killed a University of California professor in a murder-suicide that prompted a two-hour lockdown of the sprawling urban campus.

Sarkar, a 2000 alumnus of IIT-Kharagpur, shot and killed professor William Klug before killing himself on Wednesday, the *Los Angeles Times* reported, citing sources.

The attack appeared to be provoked by Sarkar's belief that Klug had stolen computer code from him, according to a March blog post by a person of the same name. "Your enemy is my enemy. But your friend can do a lot more harm," Sarkar wrote in the post. "Be careful about whom you trust."

Mainak Sarkar

● Mainak Sarkar shot dead his engineering professor William Klug, believing that Klug had stolen a computer code from him, the police believe

Late on Thursday, it was revealed that the police found a "kill list" from Sarkar's Minnesota home with the names of Klug, another UCLA professor and a woman.

The woman, whose named has not been released, was found shot dead in her home in a nearby Minnesota town. The other professor on the list is "ok", police chief Charlie Beck said.

Mr Beck said it appeared mental issues were involved and that Sarkar's dispute with Klug was tied to Sarkar thinking the professor released intellectual property that harmed him.

The police asked for the public's help to find Sarkar's car, which he drove to Los Angeles.

The shooting prompted a complete lockdown of the campus and deployment of hundreds of police officers as well as federal agents. All university classes were cancelled on Thursday. The lockdown was lifted shortly after noon. Officials said classes would resume on Thursday.

Klug, 39, was an associate professor of mechanical and aerospace engineering and had been the target of Sarkar's anger on social media for months, the paper said.

Before enrolling at UCLA, Sarkar earned a master's degree at Stanford University, according to his LinkedIn page. In 2000, he graduated from the IIT, Kharagpur with a degree in Aerospace Engineering.

— *Reuters/PTI*

Hindustan ND 03/06/2016 P-20

स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स (स्वयं) पोर्टल को अगले महीने लांच करेंगे पीएम

तीन करोड़ छात्रों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण पोर्टल जल्द

पहल

नई दिल्ली | मदन जैड़ा

केंद्र सरकार तीन करोड़ नौजवानों को प्रतिवर्ष ऑनलाइन लर्निंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जल्दी ही एक पोर्टल लांच करने जा रही है।

अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस पोर्टल को लांच किए जाने की संभावना है। पोर्टल पर विभिन्न विषयों के दो हजार से भी अधिक कोर्स में ऑनलाइन पढ़ने की सुविधा होगी। यह कोर्स निशुल्क होंगे तथा सिर्फ सर्टिफिकेट लेने की फीस ली जाएगी। मानव संसाधन विकास मंत्रालय का उच्च शिक्षा विभाग, यूजीसी, एआईसीटीई, एनसीटीई समेत तमाम महकमे इस पोर्टल को अंतिम रूप देने की तैयारियों में लगे हैं। यह पोर्टल स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स (स्वयं) के नाम से काम करना शुरू करेगा। देश के किसी भी कोने में नौजवान इस पोर्टल पर निशुल्क सुविधा हासिल कर सकेंगे। मकसद यह है कि नौजवानों में ओपन लर्निंग से उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना है। इसमें सभी विषयों के कोर्स को शामिल किया जा सकेगा।

तैयारी

- हिन्दी, अंग्रेजी के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी पोर्टल पर होगी
- प्रमाणपत्र के लिए छात्रों को चुकाना होगा शुल्क

हिन्दी, अंग्रेजी के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी सामग्री होगी। कोई भी छात्र, नौजवान या व्यक्ति इसमें अपनी जरूरत के विषय की जानकारी पा सकेगा। इसके अध्ययन से वह अपना ज्ञान और कौशल बढ़ा सकेगा। यह कोर्स कोचिंग और कॉलेजों एवं विवि में शिक्षकों की कमी का भी विकल्प साबित होगा। मंत्रालय के अनुसार सभी कोर्स निशुल्क होंगे। लेकिन यदि किसी व्यक्ति को कोर्स करने के बाद उसका प्रमाण पत्र चाहिए तो इसके लिए उसे केंद्र सरकार के निकटस्थ संस्थान में जाना होगा जहां एक मामूली शुल्क चुकाकर उसे सर्टिफिकेट मिल जाएगा। लेकिन सार्टिफिकेट के लिए छात्रों को परीक्षा देनी होगी जो ऑनलाइन होगी।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी आदि को प्रमाण पत्र देने के कार्य में लगाया जाएगा। विदेशों में इस किस्म के कोर्स खूब प्रचलित हैं।

Heads of five Indian missions visit IIM-A

http://timesofindia.indiatimes.com/city/ahmedabad/Heads-of-five-Indian-missions-visit-IIM-A/articleshow/52563877.cms

Ahmedabad: As part of Union ministry of external affairs (MEA) outreach to states, five ambassadors and high commissioners of India are on a visit to Gujarat from June 1 to 3. These top MEA officials visited Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIM-A) for an interaction with the faculty on Wednesday on the institute's campus.

The delegation included Ashok Kumar Sharma, ambassador of India to Finland, Shamma Jain, ambassador of India to Panama, Dr Ketan Shukla, high commissioner of India to Botswana, Dr T Suresh Babu, ambassador-designate to Mongolia and Sandeep Arya, high commissioner of India to Tanzania.

The discussions involved exchange of ideas to initiate academic cooperation in higher education between IIM-A and the countries represented by the heads of the foreign missions.

The deliberations led to identification of four potential areas to further academic cooperation - foreign students' participation in IIM-A's programmes, faculty exchange to support research collaboration, executive education programmes and distance learning programmes. Shamma Jain extended support to foster academic exchange between IIM-A and leading business institutions in Panama.

Dr Ketan Shukla said, "Our joint efforts can lead to starting projects in the four areas identified in our discussion and can contribute to fostering bilateral relations, economic relations as well as cultural relations between India and the countries represented by the Indian envoys."

He added, "For example, Botswana being a leading exporter of diamond, it will be of tremendous value to have IIM-A faculty undertake research that can mutually benefit and contribute to the growth of the diamond industry of both India and Botswana."

Dr Suresh Babu expressed keenness on faculty exchanges and distance learning opportunities. "IIM-A has aspirations to

interact more intensively with international academics, practitioners and students. We are looking forward to continued dialogue and interactions with Indian embassies and high commissions as we seek to strengthen our global footprint," said Prof Ashish Nanda, director, IIM-A.

UGC mobile app to combat menace of ragging

http://www.business-standard.com/article/pti-stories/ugc-mobile-app-to-combat-menace-of-ragging-116060201374_1.html

To combat the menace of ragging, the University Grants Commission (UGC) will bring a mobile app which will help students register complaints in case they face any problems.

"The UGC has decided to bring an app as it would help them file complaints where-ever they are. Earlier also there was provision as per which students could file complaints online, but an app would make it easier," a senior official said.

The higher education regulator in a recent meeting has also formed a three member committee which will look into the various aspects related to making of campuses of Central Universities wi-fi enabled.

The committee comprises Central University of Kashmir VC Prof Me'raj Ud Din Mir, Central University of South Bihar VC Prof H C S Rathore and Central University of Haryana VC Prof R C Kuhad, it is learnt.

The HRD ministry plans to install Wifi in all Central Universities. The committee could also co-opt members from the IT sector for effective implementation of the project.